साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 5 | अंक : 09 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 10 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

हत्या की पानटपरी से फैली अफवाह
शहर पुलिस ने गड्ढे से निकाली लाश 3 आरोपीयो को किया गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया। हत्या कर लाश को गड्ढे में गाड़ने की चर्चा पान टपरी पर चलने तथा यह अफवाह फैलने पर शहर पुलिस द्वारा इस अफवाह को गंभीरता से लेते हुए गहराई से जांच किए जाने पर एक युवक की हत्या कर गड्ढे में गाड़ने का मामला सामने आया जिस पर शहर पुलिस द्वारा लाश को गड्ढे से निकलकर हत्याकांड में शामिल 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले गौतम नगर परिसर की एक पान टपरी में हत्या की चर्चा चल रही थी। इस चर्चा की जानकारी शहर पुलिस को एक मुखबिर के माध्यम से प्राप्त हुई की 6 से 7 लोगों द्वारा मिलकर एक व्यक्ति की हत्या कर उसे गड्ढे में गाड़ा गया है। शहर पुलिस द्वारा इस खबर को गंभीरता से लेते हुए गौतम नगर परिसर में तलाश शुरू की कि कहीं कोई लापता है या किसी प्रकार की लड़ाई झगड़ा हुआ है लेकिन इसकी कहीं से भी जानकारी सामने नहीं आई लेकिन पुलिस द्वारा इसे गंभीरता से लेते हुएजांच जारी रखी इसी दौरान शहर पुलिस निरीक्षक किशोर पार्वते को 2 अक्टूबर को पुख्ता जानकारी प्राप्त हुई कि गौतम नगर के दक्षिण क्षेत्र की शमशान भूमि के झुडपी जंगल परिसर में एक व्यक्ति की लाश को दफनाया गया है।

जिस पर पुलिस द्वारा क्षेत्र की सघन तलाशी लिए जाने पर एक ताजा गड्ढा दिखाई दिया जिसकी खुदाई करने पर एक युवक का शव दिखाई दिया जिसे दंडाधिकारी के सामने निमानुसार निकला गया। मृतककी फोटो गौतम नगर परिसर में नागरिकों को दिखाए जाने पर उसकी पहचान गौतम नगर निवासी विक्रम बैस के ड्राइवर शांतनु पसीने के रूप में की गई। मृतक की पहचान होने पर जब विक्रम बैंस की जानकारी लेने पर वह परिवार सहित घर में ताला लगाकर फरार हो गया साथ में अन्य तीन से चार व्यक्ति भी फरार पाए गए जिससे इन पर पुलिस को शक हुआ शहर पुलिस द्वारा इस हत्याकांड को गंभीरता से लेते हुए विक्रम बैस के करीबी मित्र विकास ओमप्रकाश गजभिए को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ किए जाने पर यह हत्याकांड से का पर्दाफाश हुआ।

गजभिए द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मृतक शांतनु पसीने विक्रम बैस का ड्राइवर था जिसने विक्रमसे 80000 उधार लिया था लेकिन कम पर नहीं आ रहा था व पैसे वापस भी नहीं कर रहा था । इसी बात को लेकर विक्रम उसकी पत्नी किरण बैस बेटा चिता बैस व उनके 4 से 5 साथियों द्वारा शांतनु पसीने को गौतम नगर की शमशान भूमि स्थित झुडपी जंगल परिसर में लेकर गए वह पैसे की मांग की रुपए न देने पर उसकी लाठी सेबेदम पिटाई की इस में उसकी मौतहो गई। इस हत्या को छुपाने वह सबूत को मिटाने के लिए के लिए आरोपियों द्वारा झुड़पी जंगल परिसर में ही 5 फुट का गड्ढा खोदकर उसे गाढ़ दिया गया।

मृतक शांतनु पसीने उम्र 36 वर्ष यह मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के ग्राम मोहगांव पोस्ट पोस्ट गंगेरुआ का निवासी था।

पुलिस द्वारा अब तक इस हत्याकांड में शामिल आरोपियों में से 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया जिसमें ओमप्रकाश गजभिए, सुशांत जाधव, रवि यादव का समावेश है तथा मुख्य आरोपी विक्रम बैस वह अन्य की तलाश पुलिस द्वारा कड़ाई से की जा रही है तथा संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही सभी आरोपियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जाएगा। आरोपियों के खिलाफ शहर पुलिस निरीक्षक किशोर पार्वते की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 103 (1) , 238 , 3 (5) के तहत मामला दर्ज कर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक वैभव गेडाम द्वारा जांच की जा रही है।

उपरोक्त करवाई जिला पुलिस अधीक्षक गौरख भामरे ,अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा ,उप विभागीय पुलिस अधिकारी तिरोडा साहिल झरकर के मार्गदर्शन में गोंदिया शहर पुलिस निरीक्षक किशोर पार्वते सहायक पुलिस निरीक्षक वैभव गेडाम, धिरज राजुरकर, पो.उपनि. मंगेश वानखडे, अक्षय चन्नावार, घनश्याम थेर, पोलीस अंमलदार भाटिया, शेख, भेंडारकर, टेंभरे, बिसेन, चौव्हाण, लोंदासे, सोनवाने, इंदुरकर, रावते, बारेवार, बिसेन, लांजेवार धीरज राजू कर राजूरकर पुलिस उप निरीक्षक मंगेश वानखेडे द्वारा की गई।

अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश
29,13,600 रु. का माल जब्त

बुलंद-गोंदिया-राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 53 के शिरपुरबांध आरटीओ चेक पोस्ट पर नाकाबंदी कर एक वाहन से 126.14 किलो गांजा जब्त कर अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया गया. इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने गांजा, दो चौपहिया वाहन ऐसा कुल 29 लाख 13 हजार 600 रु. का माल जब्त किया है. पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा के मार्गदर्शन में उपविभागीय पुलिस अधिकारी विवेक पाटिल ने उपविभाग देवरी के तहत अवैध कारोबार पर कार्रवाई करने के लिए विशेष अभियान चलाया है. इसी बीच उपविभागीय पुलिस अधिकारी, देवरी विवेक पाटिल को जानकारी मिली कि गांजा परिवहन करने वाला एक अंतर्राज्यीय गिरोह छत्तीसगढ़ राज्य से महाराष्ट्र में राष्ट्रीय राजमार्ग क्र.53 से गांजा परिवहन करने वाले है. जानकारी के आधार पर विवेक पाटिल ने देवरी के सहायक पुलिस निरीक्षक गंगाकाचुर को आगे की कार्रवाई के आदेश दिए. गंगाकाचुर व देवरी थाने के अंमलदार, महामार्ग पुलिस मदद केंद्र डोंगरगांव के पुलिस उपनिरीक्षक दिनेश लिल्हारे व उपविभागीय पुलिस अधिकारी कार्यालय देवरी के पुलिस उपनिरीक्षक गुट्टे, पुलिस अंमलदार ने राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 53 के ग्राम शिरपुरबांध आरटीओ चेक पोस्ट में नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की. इसी बीच वाहन क्र. आरजे 08 ङ्क टीए 1836 में कुल 126.14 किलो गिला गांजा मिला. जिसकी कीमत 18 लाख 92 हजार 100 रु. बताई गई है. इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ देवरी थाने में मामला दर्ज किया गया. इसके बाद गांजा परिवहन करने वाले गिरोह के अन्य 2 आरोपी व चौपहिया वाहन स्थानीय अपराध शाखा गोंदिया की मदद से पकडा गया. इस मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर दो चौपहिया वाहन सहित कुल 29 लाख 13 हजार 600 रु. का माल जब्त किया गया. जांच पुलिस निरीक्षक प्रवीण डांगे कर रहे हैं.

दुर्घटना में युवक घायल

गोंदिया-कुलपा-कारंजा में हुई दुर्घटना में रिसेवाड़ा निवासी रवींद्र शिवणकर (23) गंभीर रुप से घायल हो गया. आमगांव के ग्रामीण अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद मेडिलक कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है. शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

31,500 रु. की 6 साइकिलों के साथ चोर को किया गिरफ्तार

गोंदिया-शहर से सटे शिवाजी नगर, सेलटैक्स कॉलोनी फुलचूरटोला निवासी फिर्यादी प्रकाश रामलाल पुंडे (41) के लड़के की साइकिल फिर्यादी की भतिजी शारदा वाचनालय लेकर गई थी. उसने साइकिल को नगर परिषद में खड़ी की थी. इसी बीच उसे अज्ञात व्यक्ति ने चुरा लिया. जिसकी शिकायत शहर थाने में की गई थी. पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते के मार्गदर्शन में डी.बी. टीम के अंमलदारों ने मामला दर्ज होते ही मिली जानकारी के आधार पर सावित्रीबाई वार्ड, कुंभारेनगर निवासी आरोपी मंगेश जयपाल राऊत (32) को हिरासत में ले लिया. उसकी गहनता से पूछताछ करने पर उसने कबूल किया व विभिन्न कंपनियों के 6 साइकिल चोरी कर पैकनटोली, गोंदिया के एक जर्जर मकान में छिपा दिया, ऐसा बताया. उक्त जगह से 31 हजार 500 रु. कीमत के 6 साइकिल जब्त किए गए. आरोपी के खिलाफ सेंधमारी का मामला दर्ज है और उसने इससे पहले दुर्गा चौक परिसर में एक मोटरसाइकिल भी चोरी किया था. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा, उपविभागीय पुलिस अधिकारी साहील झारकर के मार्गदर्शन में शहर थाने के पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते, डी.बी. टीम के हवलदार जागेश्वर उइके, कवलपालसिंग भाटिया, सुदेश टेंभरे, सतीश शेंडे, निशिकांत लोंदासे, दीपक रहांगडाले, प्रमोद चव्हाण, रिना चव्हाण, सिपाही सुभाष सोनवाने, मुकेश रावते, दिनेश बिसेन, कुणाल बारेवार, अशोक रहांगडाले ने की.

मवेशी ले जा रहे वाहन को पकड़ा

गोंदिया-सालेकसा थाने के तहत निंबा से वाहन क्र. एमएच 40 एजे 3854 से तीन मवेशियों को पुलिस ने मुक्त कराया. इस दौरान पुलिस ने कवडी निवासी नरेश बिसेन (31) व रामाटोला निवासी सुनील चौधरी (35) को गिरफ्तार किया. पुलिस ने आरोपियों से 24 हजार रू. के मवेशी व 2 लाख रू. के वाहन समेत कुल 2 लाख 24 हजार रू. का माल जब्त किया है.

सार्वजनिक दुर्गा उत्सव में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

गोंदिया-आपला डा. प्रथमा यादव ने दी स्वास्थ्य संबंधी विशेष जानकारी इंगले चौक, सिविल लाइन, सार्वजनिक दुर्गा उत्सव में नवरात्रि के दौरान नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित हुआ. जिसमें नागरिकों ने बड़े पैमाने पर मुफ्त जांच की. रोजमर्रा की भाग दौड़ में आम लोगों के पास अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने का समय नहीं है, इसी को ध्यान में रखते हुए आपला दवाखाना की ओर से क्षेत्र के सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया था. मौजूदा महंगाई के दौर में स्वास्थ्य जांच और प्रयोगशाला परीक्षणों पर बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है, इसलिए सभी चीजों का अध्ययन करने के बाद दुर्गा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया था. चिकित्सा अधिकारी डा. प्रथमा यादव के मार्गदर्शन में शिविर में नागरिकों, बुजुर्गों व महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण, रक्त परीक्षण, रक्तचाप, मधुमेह, हीमोग्लोबिन, सिकल सेल, क्षयरोग, कुष्ठरोग, मुख परीक्षण, नशा मुक्ति पर मार्गदर्शन के साथ ही महालैब द्वारा विभिन्न प्रयोगशाला परीक्षण नि:शुल्क किए गए. साथ ही इस शिविर में स्वास्थ्य संबंधी सलाह भी दी गई. शिविर के दौरान चिकित्सा अधिकारी डा. प्रथमा यादव, स्वास्थ्य सेविका सुलोचना रहांगडाले, स्वास्थ्य सेवक आकाश निकुसे, प्रयोगशाला तकनीशियन राहुल दमाहे, परिचर महेंद्र वहाडे, आशा सेविका आरती ठवकर, सुषमा आमकर और रत्नकला लामकसे ने स्वास्थ्य सेवाएं दी.

विंडवेल व हुंडई इलेक्ट्रॉनिक्स मशीनरी की विधिवत स्थापना

भंडारा-तहसील के भिलेवाड़ा में विंडवेल इलेक्ट्रॉनिक्स और हुंडई इलेक्ट्रॉनिक्स की एक संयुक्त रेफ्रिजरेटर और एलईडीटीवी विनिर्माण मशीनरी की स्थापना सांसद प्रफुल्ल पटेल के हाथों की गई. उन्होंने भीलेवाड़ा में एक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लाने के लिए अथक प्रयास किए. इस प्रयास के फलस्वरूप उद्योग का सृजन होगा. जिले में प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित बेरोजगारों को विंडवेल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हुंडई इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे. इस समय नाना पंचबुद्धे, विधायक राजू कारेमोरे, धनंजय दलाल, सुनील फुंडे, विंडवेल इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, हुंडई इलेक्ट्रॉनिक्स के बलराम गर्ग, सुक्षम गर्ग, उमेश गोगिया, नीरज आडवानी, दर्शन, मिश्रा, हितेंद्र कपाड़िया, डागा, राठौड़, जयन्त वैरागडे, एड. विनयमोहन पशीने, पंकज सारडा, नरेंद्र झंझाड, हेमंत महाकालकर, शरद (आरजू) मेश्राम, यशवंत सोनकुसरे, सरिता मदनकर, स्वप्निल नशीने, डॉ. रवीन्द्र वानखेड़े, परवेज़ पटेल, डॉ. जगदीश निम्बार्ते, रिकू शर्मा, अंबादास मंदुरकर, विजय खेड़ीकर, मनीष वासनिक, ज्योति टेंभुर्ने, दयानंद नखाते, नरेंद्र बुरडे, राहुल निर्वाण, लोकेश नगरे, अमन मेश्राम, नरेश धुर्वे, ज्योति खवास, नीलिमा गाडवे, मंजूषा बुरडे, रजनीश बंसोड़, आशा डोरले, स्वाति मेश्राम, कीर्ति गणवीर, रत्नमाला चेटुले, संजय बोंदरे, नागेश भगत, प्रभाकर बोदेले, गीता कागदे, कंचन वरठे, गणेश बनेवार, अबरार भाई, अरुण अंबादे, बंटी बांगड़कर, जनराज मस्के, अरुण माकड़े, वामन शेंडे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

संपादकिय...

आपदा का बंटवारा

बेहोश निगाहों के सदमों में भी अगर नजरिया बदल दें, तो वक्त के कठोर पन्नों पर फिर से दस्तख्त हो सकते हैं। कुछ इसी दौर की परीक्षा में हिमाचली स्वावलंबन के चिन्ह, केंद्र से मुखातिब हैं, जहां प्रदेश से केंद्रीय मंत्रालयों की रगड़ में जगत प्रकाश नड्डा के सरोकारों पर बहस जारी है। नड्डा ने राज्य की कांग्रेस सरकार को बता दिया है कि केंद्र के बिना हिमाचल बौना है, तो इधर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू राज्य के अधिकारों पर कुछ और पन्ने जोड़ रहे हैं। राष्ट्रीय नीतियों के नेत्र पहाड़ी राज्यों के पैमानों पर अब बिलकुल भी खरे नहीं उतर रहे हैं। वित्त आयोग के पास हिमाचल के आवेदन जिस तरह के सलूक से आजिज हैं, उसी के परिप्रेक्ष्य में पहाड़ ठगा सा महसूस कर रहा है। आश्चर्य है कि डिजास्टर रिस्क इंडेक्स ने पर्वतीय प्राकृतिक हिफाजत के बाजू तोड़ डाले हैं। यानी जहां देश के बादल मुस्तैदी और तीव्रता से बरसते हैं। जहां से निकली नदियां समुद्र बनती हैं। जहां बादलों के झुरमुट से देश की खुशहाली का पैगाम निकलता हो, उसी पहाड़ का दर्द समझने, मानने और अपनाने को केंद्र तैयार नहीं है। यह देश की उत्तर दिशा को कमजोर करने का सबब है या तमाम पहाड़ी राज्यों की आंखों से आर्थिक सुरमा चुराने की कोशिश है, जो हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रदेशों का मर्म नजरअंदाज किया जा रहा है। केंद्र की नीयत सही होती या आपदा प्रबंधन की तासीर में टूटते-फूटते बादलों का कहर सुना जाता, तो अगले पांच सालों की हिफाजत के लिए 9250 करोड़ उपलब्ध हो जाते। यहां मैदानी साइक्लोन के मुकाबले लैंडस्लाइड पर गिरी प्राकृतिक आपदा की शिनाख्त और नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र का रवैया और उसूल उपेक्षापूर्ण हैं। यानी देश की हवाओं-घटाओं की उग्रता को हम सहें। बर्फानी तूफानों को हम झेलें। पर्यावरणीय संतुलन के लिए सत्तर फीसदी जमीन को जंगल के नाम कर दें और यह भूल जाएं कि भारी बरसात में दरकते पहाड़ों का दर्द क्या होता है। पहाड़ी राज्यों की अहमियत को अतीत में समझा गया इसलिए विशेष वित्तीय दर्जा मिला और केंद्रीय वित्तपोषण 90:10 दर से पर्वतीय अस्मिता का प्रतीक बन गया, लेकिन अब इसकी भी कतरब्यौंत जारी है। पहाड़ न विकास का मॉडल बना और न ही आर्थिक आधार का, बल्कि अब आपदा भी बंट गई। ऐसे में जम्मू-कश्मीर से अरुणाचल प्रदेश तक की हिमालयी पट्टी में बसे तमाम पर्वतीय राज्यों के तकरीबन तीन दर्जन सांसद अगर आवाज उठाएं तो इन इलाकों के दर्द को भी समझा जाएगा। पर्वतीय राज्यों के अस्तित्व के लिए वित्तीय अधिकार तथा आर्थिक निर्भरता बहुत आवश्यक है। ऐसे में आवश्यक यह है कि एक पृथक 'पर्वतीय विकास मंत्रालय' बनाया जाए। इसके तहत पर्वतीय राज्यों के प्राकृतिक संसाधनों के एवज में माकूल रॉयल्टी का निष्पादन, पर्यावरणीय संरक्षण के बदले इसकी आर्थिक भरपाई तथा केंद्रीय योजना प्रारूप में विशेष पैकेज और मानदंड स्थापित करना। तकनीकी तौर पर पर्वतीय विकास के आदर्श पश्चिमी देशों से आते हैं, जहां कनेक्टिविटी का नवाचार अपनाने की जरूरत है।

भौतिक सुख-सुविधाओं की लालसा ने मनुष्य का सुकून छीना- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस विशेष - 10 अक्टूबर

आज के आधुनिक जीवनशैली में तेजी से उभरने वाला विकार मानसिक तनाव है, जो हम हमेशा लोगों के व्यवहार से अनुभव करते है, विभिन्न परिस्थितियों में खुद में भी बहुत बार तनाव महसूस होता है। लोगों द्वारा किया गया दुर्व्यवहार, दु:ख, परेशानी में इंसान को हमेशा मन में डर सताता है, चिंता होती है, नकारात्मक विचार और बुरे ख्याल मन में बैठ जाते है। घटित बुरी घटनाओं की यादें हमें हरदम झंझोड़ देती है। दिन भर में दस अच्छी और एक बुरी खबर में अच्छी खबर को नजरअंदाज कर हमें केवल वह एक बुरी घटना ही परेशान करती है। जबकि उस एक बुरी खबर का हमारे जीवन में कोई विशेष अस्तित्व भी नहीं होता। लेकिन मनुष्य बेमतलब की बात को तूल देकर खुद के मन और तन को विकार देता है। अपने मन पर खुद का नियंत्रण न होना ही समस्या की मूल जड़ है। तनाव बढ़ाने से या खुद के टेंशन लेने के समस्याओं का कभी हल नहीं निकलता है। तनाव ख़त्म होगा हमारे सकारात्मक विचार और सफल प्रयास से।

सभी प्राणियों में मनुष्य को सबसे बुद्धिमान माना जाता है, मनुष्य ने विज्ञान के क्षेत्र में बहुत तरक्की कर ली है, आज के आधुनिक वातावरण में जहां देखने को तो खूब सुख-सुविधाएं दिखाई पड़ती है, परंतु इस आधुनिकता में मनुष्य ने अपना सुख-चैन, स्वाभाविकता, भोलापन, मासूमियत खो दिया, सुकून महसूस नहीं होता। भौतिक सुख को ही हमनें सब कुछ मान लिया है, और यहाँ तक कि हम इंसानियत को भी भूलकर पैसों के पीछे पागल हो गए। मानव से मानवता और इंसान से इंसानियत शब्द बना है, इसी शब्द की सार्थकता अनुरूप हर मनुष्य का आचरण होना चाहिए, परंतु मनुष्य बहुत नीचे गिर गया है। बहुत बार लोगों का स्वार्थ देखकर ऐसा लगता है कि इनसे बेहतर तो पश-पक्षी है, जो खुद के फायदे के लिए दुसरो को तबाह नहीं करते है। आज की युवापीढ़ी तो रात को जागती है और दिन में आराम फरमाती है, घर में

कम और बाहर ज्यादा खाते है, लोगों की नसीहत भी गाली लगती है, नीतिनियम, रोक टोक को पाबंदी मानते हैं। सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम ने तो हमें लत लगा दी है। जिम्मेदारियों के बोझ का अहसास जिन्हे होता है वहीं मेहनत को अपना कर्म बना लेते है तब उम्र भी मायने नहीं रखती है।

अपराध, भ्रष्टाचार, पद और सत्ता का दुरुपयोग, प्रदूषण, मिलावटखोरी, हर ओर राजनितिक हस्तक्षेप, अश्लीलता, झूठ, झूठा दिखावा, भेदभाव, धोखा, नशाखोरी, लोभ, संस्कारहीन व्यवहार, ईर्ष्या भाव ऐसे दूषित वातावरण में मानसिक शांति मिलना ढोंग है। लोगों की लापरवाही भी मनुष्य के लिए सिरदर्द का कारण बनता है, हर क्षेत्र में सरकारी कर्मचारियों की कमी की समस्या की सजा आम जनता को भुगतनी पड़ती है। उदाहरण के लिए ट्रैफिक पुलिस की कमी के कारण शहरों में खुलेआम ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन बड़ी परेशानी है। हर जगह, हर क्षेत्र, कार्यालय, हर रिश्ते-नाते में कुछ लोग ऐसे मिल जायेंगे जो दुनिया में केवल दूसरों को परेशान करने के लिए मौजूद है। क्योंकि ये सब तो दुनियाँ में अशांति और अराजकता के वाहक है, बहुत से लोग इससे जुड़ी समस्याओं से प्रभावित है, लेकिन सिर्फ यही हमारा पूरा संसार नहीं है, लोगों ने क्या किया इससे बेहतर है कि हमने क्या किया? यह समझें। दुनिया में केवल समृद्ध प्रकृति, अच्छे कर्म और समाधान ही मानसिक सुख का आधार बन सकते है।

मानसिक तनाव हमारे द्वारा ही तैयार किया गया खुद के लिए विकार है, इसलिए समस्या का हल खोजें, परेशान न हों। मानसिक तनाव के निर्माता अधिकतर हम खुद होते है। हमारा व्यवहार भी इसके लिए उत्तरदायी है जैसे :- दुसरो पर ज्यादा भरोसा, बुरी आदतें, जल्दी हिम्मत हारना, खुद को कमजोर बेबस मानना, आलस्य, आधुनिक दिनचर्या का अवलंबन, नीतिनियम की कमी, गलत जिद, मार्गदर्शन की कमी, लोग क्या कहेंगे सोचकर डरते रहना, नया कुछ सीखने से डरना ऐसी बहुत सी बातें हमें मानसिक रूप से बीमार बनाती है। अगर हम सत्य की राह पर चल रहे हैं तो कभी भी लोकलाज की न सोचें। जीवन को आसान बनाकर जिंदादिली से जियें।

नकारात्मक विचार शैली के लोगों से दूरी बनाना हमें जीवन में बहुत आवश्यक है। हमें जीवन में उन लोगों की कद्र करनी चाहिए जो हमारे सुख-दु:ख में हमेशा साथ देते है, बेहतर मार्गदर्शन करते है, मतलब के अनुसार व्यवहार बदलते नहीं है। हर व्यक्ति की अपनी अभिव्यक्ति, स्वतंत्रता होती है, कभी भी हमें अपनी मर्यादा भूलकर लोगों की स्वतंत्रता पर आंच आये ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। जीवन में अगर सुख-शांति से जीना है तो, बुरे काम से दूर रहें, परोपकार की भावना, प्रकृति प्रेम, पशु सेवा, असहायों की मदद, मानवधर्म की राह पर चलने से हम समाधानी बनकर रहेंगे। बिना किसी अपेक्षा और स्वार्थ के सत्कर्म हमें जीवन में संतोष दिलाते है। खुद को हमेशा अच्छे काम में व्यस्त रखें, अपने क्षेत्र में काम करते हुए हमेशा कुछ नया सीखने का प्रयत्न करें। थोड़ा समय निकालकर समाज में श्रमदान करें। हेल्दी हॉबी बनाए रखें, नियमित व्यायाम, मैदानी खेल खेलें, अपनी बढ़ती उम्र को भी केवल संख्या मानकर चलें। सुख-दु:ख, हार-जीत जीवन में निरंतर चलता रहता है, वक्त कभी एक-सा नहीं रहता, समयानुसार बदलाव आते ही है। मुश्किल समय में हौसला बनाये रखें और आपने जो अपने जीवन में अच्छे काम, अच्छे व्यवहार किये है तो अच्छे लोग भी आपसे जुड़े रहेंगे। आप जीवन में जैसा बोएंगे वैसा ही फल पाएंगे।

क्या आपको याद है कि आप पिछली बार कब मन से खिलखिलाकर हंसे थे? जबकि हमें हर पल मुस्कुराते हुए जीना चाहिए। जीवन में समस्या आएंगी, लेकिन आप उस समस्या को किस तरीके से देखते है, ये आप पर निर्भर करता है। समस्याओं को चुनौती मानकर सामना करने वाले हमेशा सफल होते है, क्योंकि वे समस्याओं से घबराते नहीं बल्कि उसे अवसर मानकर आगे बढ़ते है। कोई भी समस्या या दुख होने पर वह समस्या खुद पर हावी न होने दें, तनाव बिलकुल भी न लें, क्योंकि तनाव अनेक जानलेवा गंभीर बीमारियों की जड़ होती है जो हमें अधिक मुश्किल हालात में डाल देती है, साथ ही यह अपराधवृद्धि में विशेष सहायक है। खुद पर भरोसा रखें, हमेशा समयानुसार अद्यतन रहें, मुश्किल आने पर निराश होने के बजाय हल क्या हो सकता है इस पर ध्यान दें। अपने खाली समय का सदुपयोग करें, सकारात्मक विचारों के लोगों से मिलें, गुस्से, आवेश या भावनाओं में बहकर तुरंत निर्णय न लें। नशे और बुरी संगत से दूर रहें। अभिभावक कृपया बच्चों को अतिलाड़ में न बिगाड़े, उन्हें उत्तम संस्कार दें। बिना किसी स्वार्थ के बेसहारों की मदद अनमोल सुकून देता है। जिसके मन में लोगों के लिए कोई जलन या भेदभाव नहीं है और अपने काम से संतुष्ट है वही समाधानी मनुष्य मानसिक तनाव से दूर रह सकता है।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

22% बढ़ी मतदाताओं की संख्या

जागरूकता के बाद भी मतदान प्रतिशत में नहीं हुई बढ़ोत्तरी, 2% हुआ कम

सालेकसा-आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र में 2009 से 2024 तक 50 हजार मतदाता बढ़े हैं. 2009 की तुलना में 2024 तक पिछले 15 वर्ष मतदाता बढ़े हैं. लेकिन मतदान का प्रतिशत बिल्कुल नहीं बढ़ा, बल्कि दो प्रतिशत कम हो गया है. 2009 के चुनाव में आमगांव विधानसभा क्षेत्र में 70 प्रतिशत मतदान हुआ था. पश्चात 2014 में 69 प्रतिशत व 2019 में 68 प्रतिशत मतदान हुआ. मतदाता जागरुकता की तमाम गतिविधियों के बावजूद मतदान का प्रतिशत बढ़ने के बजाय घट गया है. लोकतंत्र के इस सबसे बड़े उत्सव में युवा नए मतदाता उतनी भागीदारी नहीं करते दिख रहे हैं, जितनी उन्हें करनी चाहिए, जिसके चलते सवाल उठ रहा है कि क्या आगामी चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ेगा? आमगांव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 2009 में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित किया गया था. आमगांव-सालेकसा व देवरी तीन तहसील वाले इस आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र में 2009 की मतदाता सूची में 2,18,421 मतदाता थे. इसमें 1,09,376 पुरुष व 1,09,045 महिला मतदाता थे. उस समय 76,363 पुरुष व 75,913 महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया था. 1,52,891 मतदाताओं ने मतदान भी किया था. तब करीब 70 प्रतिशत मतदान हुआ था. 2014 के विधानसभा

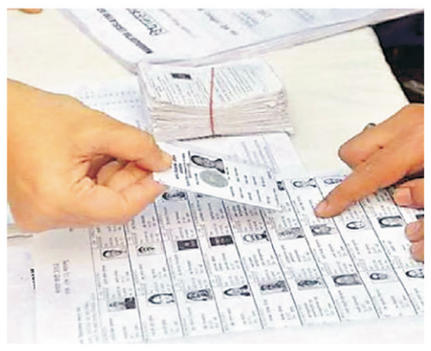

चुनाव में 34,228 मतदाताओं की बढ़ोतरी हुई. विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 2,52,649 तक पहुंच गई. उस समय 1,76,282 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया था. इसमें 1,26,833 पुरुष मतदाताओं में से 86,587 व 1,25,815 महिला मतदाताओं में से 89,078 ने मतदान किया था. जबकि उस दौरान 69 प्रतिशत मतदान हुआ था. 2019 के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं की संख्या 2,66,988 पहुंच गई. इसमें 1,33,829 पुरुष व 1,33,159 महिला मतदाता थी. उस समय 89,283 पुरुष मतदाता व 92,763 महिला मतदाताओं ने मतदान किया था. 1,83,344 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. करीब 68 प्रतिशत मतदान हुआ. इस चुनाव में 2009 की तुलना में लगभग दो प्रतिशत कम मतदान हुआ. उन 10 वर्षों में मतदाताओं की मतदान करने में कमी आई, भले ही सभी मतदाता बुद्धिमान व शिक्षित थे. लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह चिंता का विषय है.

क्या अगले चुनाव में बढ़ेगा प्रतिशत ?

में 22 प्रतिशत मतदाता सूची 2024 के अनुसार आमगांव विधानसभा क्षेत्र में 2,68,159 मतदाता हैं. इसमें 1,33,197 पुरुष व 1,34,959 महिला मतदाता शामिल हैं. 2019 की मतदाता सूची की तुलना में इन पांच वर्षों में केवल 1,171 मतदाता बढ़े हैं. इसका मुख्य कारण वे मतदाता हैं जो इस वर्ष मतदाता सूची तैयार करते समय जीवित नहीं हैं, जो लोग गांव छोड़कर दूसरी जगह बस गए, साथ ही वे लड़कियां जो मतदाता सूची में थीं, लेकिन उनकी शादी हो गई और उन्होंने अपना ससुराल छोड़ दिया. ऐसे सभी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं. ऐसे में मतदान प्रतिशत बढ़ने की संभावना है. इसके अलावा यदि संभवत: अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों में मतदाता जागरुकता गतिविधियां चलाकर मतदाताओं को मतदान के अपने अधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके तो मतदान प्रतिशत बढ़ाने में मदद मिलेगी.

गांजा तस्करी जोरों पर, फिर पकड़ा 5 किलो गांजा, एक आरोपी के साथ 2,9,300 रु. का माल जब्त

गोंदिया- स्थानीय अपराध शाखा के टीम ने रावणवाड़ी थाना परिसर में गश्त के दौरान रविवार की रात 1.30 बजे के दौरान दासगांव से माकड़ी रास्ते एक युवक को 5 किलो गांजा सहित पकड़ा. उसके पास से कुल 2 लाख 9 हजार 300 रु. का माल जब्त किया गया है. आरोपी का नाम तेढ़वा निवासी घनश्याम टोलीराम तुरकर (57) बताया गया है. स्थानीय अपराध शाखा की टीम रविवार की रात को रावणवाड़ी क्षेत्र में गश्त पर थी. इसी बीच दासगांव से माकडी रास्ते पर एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर संदिग्ध स्थिति में दिखाई दिया. उसे रोककर पूछताछ की गई. उसकी मोटरसाइकिल एक प्लास्टिक बोरी दिखाई दी. उसकी जांच करने पर बोरी में 5 पैकेट दिखाई दिए, उसमें से एक पैकेट खोलने पर उसमें गिला गांजा दिखाई दिया. तेढ़वा निवासी आरोपी घनश्याम तुरकर को हिरासत में लेकर 5 किलो गांजा, मोटरसाइकिल, अन्य सामग्री ऐसा कुल 2 लाख 9 हजार 300 रु. का माल

जब्त किया गया. आरोपी के खिलाफ रावणवाड़ी थाने में मामला दर्ज किया गया है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा के निर्देश पर स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक दिनेश लबडे के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक वनिता सायकर, अंमलदार प्रकाश गायधने, दुर्गेश तिवारी, इंद्रजित बिसेन, सुबोध बिसेन, छगन विठ्ठले, घनश्याम कुंभलवार ने की.

2025 में शुरू होगी जनगणना

नई दिल्ली -देशव्यापी जनगणना अब 2025 में ही शुरू हो पाएगी। जनगणना महापंजीयक ने एक आदेश जारी कर राज्यों को अपने मंडलों, जिलों, सब-डिवीजनों, तहसीलों और गांवों की सीमाएं 31 दिसंबर 2024 तक बदलने की छूट दे दी है। पहले यह सीमा 30 जून तक ही थी यानी इसे छह महीने बढ़ाया गया है। दरअसल, जनगणना शुरू कराने के लिए प्रशासकीय सीमाएं सील करना प्राथमिक शर्त है। सूत्रों के अनुसार, अब 1 जनवरी 2025 के बाद की कभी भी जनगणना शुरू हो सकेगी। प्रशासनिक सीमाएं सील करने के आदेश को पिछले दो साल से बढ़ाया जाता अब रहा है। आखिरी बार इस आदेश को 30 जून तक टाला गया था। इसे देखते हुए उम्मीद जाहिर की जा रही थी कि जनगणना सितंबर में शुरू हो पाएगी। जातीय गिनती करने सीमा की राजनीतिक मांग को भी जनगणना शुरू होने के मार्ग की गया बाधा बताया जा रहा है। केंद्र को इस बारे में निर्णय लेना बाकी है कि जनगणना में ओबीसी संबंधी सवाल जोड़ा जाए या अनुसार नहीं। सूत्रों का कहना है कि अगर यह सवाल जोड़ना है तो जनगणना एक्ट में संशोधन करना पड़ सकता है।

जनगणना का नया चक्र, अगली 2035, फिर 2045 में होगी

2025 की जनगणना से नया सेंसस चक्र शुरू हो जाएगा। नई साइकिल 2025 के बाद 2035 और इसके बाद 2045 की होगी। 1881 से हर दस साल बाद होने वाली जनगणना 2021 में होनी थी, जो 3 साल से अधिक देरी से शुरू होने की संभावना है। सूत्रों के कहा, पूरी कवायद 2 से ढाई साल में पूरी होगी। ऐसे में इस डेटा को सिर्फ 2031 तक सीमित रखना तार्किक नहीं होगा। इस बार की जनगणना डिजिटल होगी और सेल्फ इन्यूमिरेशन ऐप का सहारा भी लिया जाएगा। ताकि, जनगणना कम समय में पूरी की जा सके। यह कवायद 3 साल में फैली होती है, उसे 18-24 महीनों में पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

सड़ रहा कचरा, बढ़ रही गंदगी- मच्छरों व मक्खियों काम नहीं आ रही उपाययोजनाएं

गोंदिया-लोग अपनी आदत से बाज नही आ रहे है. दूकान या घर का कचरा कुडा के डिब्बे में न डालते हुए बिजली ट्रांसफार्मरों के पास फेंक देते है. ऐसा नजरा अनेक ट्रांसफार्मरों के पास देखा जा सकता है. अभी बारिश का दौर खत्म हो गया और गर्मी व उमस से लोग परेशान है, वहीं ऐसे मौसम में गंदगी व कचरा सड़ जाने से बदबू फैलत रही है. जिससे आवागमन करने वालों को नाक दबाकर चलना पड़ता है. ऐसा ही नजारा शहर के अनेक मार्गों पर स्थित बिजली के ट्रांसफार्मरों के नीचे देखा जा सकता है. उल्लेखनीय है कि ऐसे अनेक वार्डों में स्थित ट्रांसफार्मरों के पास ऐसी ही स्थिति देखने को मिलेगी. उसी तरह शहर के आवासों के पीछे की गलियों की नालियां गंदगी से पटी नजर जा रही है. जहां काफी मात्रा में कचरा व मलबा जमा होने से बदबू फैल रही है. इस तरह के नजारे शहर के कुछेक वार्डों की गलियों में देखे जा सकते है. जहां अक्सर नालियों के गंदे पानी की निकासी नही होती वहीं किसी परिसर में यह पानी मार्गों पर आ जाता है. इसे ध्यान में रखते हुए नालियों से मलबा

तो निकाला जाता है लेकिन उसे उठाएं नही जाने से सुअर व श्वान बिखरा देते है और फिर वह पुन: नाली में समा जाता है. वहीं शहर के कई क्षेत्र ऐसे है जहां गंदगी का आलम दिखाई दे रहा है. नालियों में जमा कचरे से नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में आ गया है. फैली गंदगी से सांस लेने में परेशानियां निर्माण हो जाती है.

शहर में सूअरों व श्वानों ने काफी गंदगी कर रखी है. जिसकी वजह से स्थानीय नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. शहर के कई ऐसे क्षेत्र है जहां सफाई नहीं हो पाती और यदि सफाई भी की जाती है तो बाद में स्थिति जस की तस बन जाती है.

24 वर्ष बीत जाने के बाद बाद भी भी जिले में अनेक कार्यालय नहीं

गोंदिया-भंडारा जिले को 1 मई 1999 को विभाजित कर नया गोंदिया जिला बनाया गया। जिसे लगभग 24 वर्ष हो गए हैं। इस दौरान जिले के विकास पर गौर करें तो एक-दो प्रकल्प को छोड़कर, संचाई का अनुशेष, स्वास्थ्य और शिक्षा के अलावा बढ़ती बेरोजगारी की समस्या से भी जिला जूझ रहा है। कई महत्वपूर्ण कार्यालय भंडारा से ही संचालित होते हैं, इसलिए जिले के नागरिकों को 100 किमी की दूरी तय कर आज भी वहां जाना पड़ता है। राज्य के अंतिम छोर पर स्थित गोंदिया जिला अत्यंत दुर्गम एवं आदिवासी क्षेत्रों वाला नक्सल प्रभावित जिला के रूप में जाना जाता है। जिला बनने के बाद भी कई सरकारी कार्यालय गोंदिया में नहीं आये हैं। जिससे गोंदिया जिले के लोग आज भी अपने काम के सलसिले में भंडारा जाते हैं। जिले के निर्माण के बाद से, जिला दुग्ध व्यवसाय विकास अधिकारी, प्रादेशिक सड़क परिवहन अधिकारी, खाद्य और औषधि सहायक संचालक, निरंतर शिक्षा अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी भंडारा को 1 मई 1999 को विभाजित कर लिया गया था जैसे कई कार्यालय गोंदिया में नहीं हैं, जो आज भी भंडारा जिले में हैं। गोंदिया जिले के

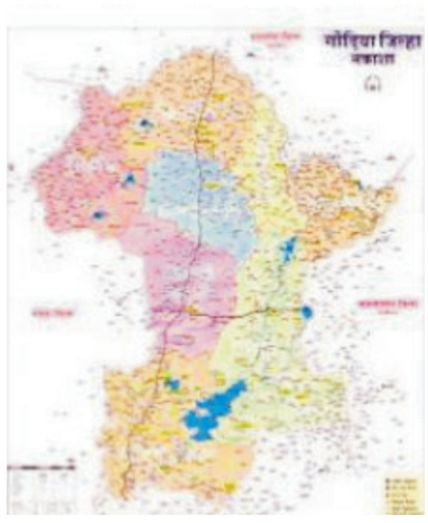

लोगों को अगर इस कार्यालय से काम हो तो वे भंडारा की दौड़ लगाते है जिससे समय और पैसा बर्बाद होता है लेकिन काम नहीं बनता और निराशा ही हाथ लगती है। जिले में कुल 8 पंचायत समिति, 9 एकात्मिक बाल विकास प्रकल्प, 556 ग्राम पंचायत, 42 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 245 प्राथमिक स्वास्थ्य उप केंद्र, 13 ग्रामीण अस्पताल, 1077 जिला परिषद प्राथमिक शाला, 22 माध्यमिक शाला, 14 उच्च माध्यमिक शाला, 1600 आंगनवाड़ी, 150 मिनी आंगनवाड़ी, 75 पशु वैद्यकीय श्रेणी 1 और 2 अस्पताल के अलावा 1 हजार 392 पूर्व मालगुजारी तालाब, सिंचाई कर विकास की अवधारणा है, लेकिन जिला गठन के 24 वर्ष बाद भी जिले में कई सरकारी कार्यालय भंडारा में है और यहां के लोगों को अपना काम पूरा करने के लिए भंडारा जाना पड़ता है। गौरतलब है कि जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन से जुड़े कई अवैध कारोबार चल रहे हैं। इसी तरह बड़ी मात्रा में राईस मिल के कारण वायु प्रदूषण का मुद्दा भी गंभीर हो गया। साथ ही आदिवासी और नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण अशिक्षितों को भी शिक्षित करने की जरूरत है। लेकिन इन सभी विषयों से संबंधित विभाग अभी भी भंडारा जिले में हैं। सरकार के निर्देश मिलने के बाद समय-समय पर संबंधित विभाग के अधिकारी जिले का दौरा करते हैं। इसके बाद भंडारा से नागपुर तक उनका यही कार्यक्रम होता है। जिले में सभी जिला स्तरीय कार्यालयों को व्यवस्थित करने में कितने साल लगेंगे? ऐसा सवाल नागरिकों द्वारा किया जा रहा है।

राजस्थानी महिला मंडल के रास गरबा का शुभारंभ

गोंदिया -मारवाड़ी समाज के सात समाजों के संयुक्त संगठन मारवाड़ी युवक मंडल द्वारा इस वर्ष भी नवरात्रि के पर्व पर धूमधाम से राजस्थानी महिला मंडल के नेतृत्व में रास गरबा का आयोजन सर्कस मैदान पर किया गया है. बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां एवं पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ. इस दौरान मारवाड़ी युवक मंडल अध्यक्ष महेश गोयल, ट्रस्ट बोर्ड अध्यक्ष वेदप्रकाश गोयल, अशोक अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, हेमेंद्र पोद्दार, हुकुमचंद अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, दामोदर अग्रवाल, जुगल खंडेलवाल, हरगोविंद अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, उमा अग्रवाल, मारवाड़ी युवक मंडल सचिव रितेश अग्रवाल, राजस्थान महिला मंडल अध्यक्ष रश्मी खंडेलवाल, सचिव भावना खंडेलवाल एवं कोषाध्यक्ष कल्पना भालोटिया उपस्थित थे. इस दौरान पूर्व विधायक अग्रवाल के हाथों रास गरबा का शुभारंभ गरबा स्थल पर मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया. इस दौरान पूर्व विधायक अग्रवाल ने कहा कि नवरात्रि का पर्व भक्ति भाव में भी आनंद का होता है. मां दुर्गा का आशीर्वाद लेने के लिए महिलाओं द्वारा जो गरबा नृत्य का आयोजन किया जाता है, उसमें सभी परिवार एक साथ मिलकर सामाजिक परिवेश को आकार देने का काम भी करते हैं. सामाजिक एकजुटता के लिए ऐसे आयोजन समाज को मजबूती प्रदान करते हैं. कार्यक्रम की प्रस्तावना श्री राजस्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष खंडेलवाल ने रखी. संचालन श्री मारवाड़ी युवक मंडल व ट्रस्ट बोर्ड सदस्य अपूर्व अग्रवाल व आभार प्रदर्शन श्री राजस्थानी महिला मंडल सचिव खंडेलवाल ने किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजस्थानी समाज की महिलाएं उपस्थित थीं.

पांगोली नदी का पुल हुआ जर्जर रेलिंग निकलने से दुर्घटना होने की संभावना

गोंदिया-शहर से लगे छोटा गोंदिया-चुलोद मार्ग के पांगोली नदी पुल की लोहे की रेलिंग निकल गई है. कही जगह तो रेलिंग ही नहीं है. यह पुल पहले से ही संकरा (कम चौडा) होने से आवागमन करने नागरिकों को परेशानी होती है. संकरे पुल की वजह से एक साथ आवागमन नहीं हो सकता और एक समय में एक ही वाहन जा सकता है. अब तो पुल भी जर्जर होते जा रहा है. पुल का मार्ग भी खराब होने की वजह से व रेलिंग निकलने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है. इन दिनों पुल से आवागमन करना नागरिकों के लिए खतरे से खाली नहीं है. इसलिए लोक निर्माण विभाग से पुल के दोनों साईड पर लोहे की नई रेलिंग और पुल दुरूस्त की मांग की जा रही है. ग्रामीण क्षेत्र से शहर को जोड़ता है पुल = यह पुल गोंदिया शहर व गोंदिया ग्रामीण को जोड़ता है. इसी पुल से ग्राम चुलोद, खमारी, आसोली, ईरीं, मोरवाही, दत्तोरा, दागोटोला, नवरगांवकला, छोटा नवरगांव आदि गावों से नागरिक, किसानों का हर दिन गोंदिया शहर में मजदूरी, बाजार व अन्य कामों के लिए आवागमन रहता है. आवागमन में सुविधा हो इसके लिए अनेक संगठनों द्वारा नदी पुल का चौड़ीकरण, संकरे पुल के बाजू में नया पुल बनाने व नई रेलिंग लगाए जाने आदि विषयों को लेकर जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा गया था. लेकिन संबंधित विभाग द्वारा इस विषय में अब तक कोई पहल नहीं की गई.

महावीर मारवाड़ी हाईस्कूल में वन्य जीव सप्ताह कार्यक्रम विषैले, गैर विषैले सांपों, विविध पक्षियों का परिचय

गोंदिया-श्री महावीर मारवाड़ी हाईस्कूल गोंदिया में सामाजिक वनीकरण गोंदिया द्वारा, वन्य जीव सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत विषैले, गैर विषैले सांपों, विविध प्रकार के पक्षियों व पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टिकोण से मार्गदर्शन किया गया. इस कार्यक्रम में वनपाल आर. जी. नागपुरे, वनरक्षक आर.एन. बल्हे ने मार्गदर्शन किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य अजय शामका ने की. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सांपों, विविध पक्षियों, पर्यावरण सुरक्षा के बारे में जनजागृति होना था. अजय शामका ने कहा कि उपरोक्त विषयों की जानकारी सभी को होना जरूरी है, ताकि आने वाले समय में हम अपने पर्यावरण का संतुलन बनाए रख सकते हैं और अच्छा जीवन हमारा व्यतीत हो, हमें अच्छा पर्यावरण मिले ऐसा उन्होंने संबोधित किया. कार्यक्रम में शाला के सभी शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित थे. संचालन हरित सेना प्रमुख एल.डी. जैतवार ने किया. नगपुरे ने अपनी महावीर मारवाड़ी संस्था को 2000 पौधे दिलवाने में मदद की थी, जो ब्लड डोनेशन कैंप में सभी डोनर व पालकों को वितरित किए गए थे.

अवैध रेत ट्रैक्टर चालक गिरफ्तार

भंडारा-भंडारा पुलिस ने अवैध रूप से रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टर पर कार्रवाई कर 4 लाख 6 हजार रुपये का माल जब्त किया. यह कार्रवाई भंडारा पुलिस ने सोमवार 7 अक्टूबर सुबह करीब 5.30 बजे टाकली में की. उपविभागीय पुलिस अधिकारी डॉ. अशोक बागुल के नेतृत्व में पुलिस हवालदार साजन वाघमारे, वैभव काले, रोहन काले, विजय राघोर्ते गश्त पर थे, जब ट्रैक्टर क्र. एमएच 36/एल-5265 टाकली क्षेत्र से अवैध रूप से रेत परिवहन कर रहा था. पुलिस ने ट्रैक्टर रोका और रॉयल्टी की मांग की. ट्रैक्टर चालक ने नहीं है बताया. पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक/मालिक टाकली पुनर्वास निवासी राकेश राजू पाचे (26) को गिरफ्तार कर 4 लाख 6 हजार रुपये जब्त किया गया. जब्त ट्रैक्टर को भंडारा पुलिस थाने में जमा कर दिया गया है.

प्लास्टिक बंदी पर नहीं हो रहा अमल

गोंदिया-प्लास्टिक उपयोग से पर्यावरण को हानि पहुंचने के कारण सरकार ने प्लास्टिक बंदी कानून लागू किया. वहीं प्लास्टिक बंदी कानून पर अमल करने का आदेश प्रशासन, नगर परिषद और नगर पंचायतों को दिया है. लेकिन जिले में प्लास्टिक बंदी कानून पर अमल होने नहीं दिखाई दे रहा है. जिसके कारण खुलेआम प्लास्टिक का उपयोग होते दिखाई दे रहा है. वहीं प्लास्टिक के चलते पशुओं के स्वास्थ्य पर विपरीत परिणाम होने की गंभीर संभावना जताई जा रही हैं. जिससे नगर परिषद प्रशासन इस ओर गंभीरता से ध्यान दे, ऐसी मांग की जा रही है. राज्य सरकार ने छह वर्ष पहले प्लास्टिक बंदी कानून लागू किया. वहीं इस कानून के तहत प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के खिलाफ जुर्माना वसूलने समेत जेल भेजने तक का प्रावधान किया गया. इसके अलावा इस कानून पर कड़ाई से अमल करने के लिए जिला प्रशासन के विभाग समेत नगर परिषद, नगर पंचायतों को निर्देश दिया गया था. कानून लागू होते ही गोंदिया जिले में नगर परिषद द्वारा प्लास्टिक निर्मूलन मुहित चलाई गई. इस मुहिम में अनेक व्यवसायिकों से प्लास्टिक जब्त कर जुर्माना भी वसूल किया. कुछ माह तक चली इस मुहिम के बाद समूचे जिले में प्लास्टिक निर्मूलन मुहिम पुरी तरह ठंडे बस्ते में पड़ गई है. जिसके कारण वर्तमान स्थिति में जहां- तहां बड़े पैमाने पर प्लास्टिक का उपयोग होते दिखाई दे रहा है. वहीं शहर के सड़कों पर भी प्लास्टिक का कचरा दिखाई दे रहा है.

टिकटों व मुद्राओं की प्रदर्शनी

तिरोड़ा-एसडीबी विद्यालय खैरबोडी प्रगति नगर तिरोड़ा में 65 देशों की राजनीतिक मुद्रा व समाप्त हो चुकी भारतीय व विदेशी डाक टिकटों, सिक्कों व मुद्रा की भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. प्रधानाध्यापिका जयश्री टेंभरे के मार्गदर्शन में ए.एम. चंद्रशेखर द्वारा कक्षा पहली से बारहवीं तक के सभी विद्यार्थियों को इसके बारे में सख्त और विश्वसनीय जानकारी दी गई. इसके माध्यम से छात्र इतिहास, अर्थशास्त्र और भारतीय संस्कृति से अवगत हुए.

मजदूरों ने की सहायक व्यवस्थापक को निलंबित करने की मांग

अर्जुनी मोरगांव -वन विकास महामंडल भंडारा के वन परिक्षेत्र अधिकारी कार्यालय अर्जुनी मोरगांव के कार्यालय के तहत राजोली बिट में स्टेकिंग और सागौन वृक्षारोपण कार्य किया गया लेकिन मजदूरों को मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। मजदूरों से बकाया मजदूरी के संबंध में पूछताछ करने पर सहायक व्यवस्थापक अभद्र व्यवहार कर रहे हैं। यह आरोप लगाते हुए पीड़ित मजदूरों ने वरिष्ठ अधिकारियों से इस विषय को गंभीरता से लेकर सहायक व्यवस्थापक देशमुख को निलंबित करने की मांग की है। वन विकास महामंडल के वन क्षेत्र अधिकारी कार्यालय अर्जुनी मोरगांव के अंतर्गत राजोली बिट में स्टेकिंग सागौन रोपण का कार्य किया गया। उक्त कार्य 10 जून से 2 जुलाई 2024 की अवधि में कक्ष क्रमांक. 337 एवं 341 में किया गया था। इस कार्य में लगे मजदूरों को समय पर भुगतान करना आवश्यक था। लेकिन देशमुख ने 20 मजदूरों की मजदूरी रोक दी। मजदूरी के बारे में पूछने गये 6 मजदूरों से व्यवस्थापक देशमुख ने वेतन देने से इनकार कर दिया और प्रति मजदूर 100 रुपये की मांग की। उन्होंने कहा, अगर आप भुगतान करेंगे तो मैं आपकी मजदूरी का भुगतान करूंगा, लेकिन मजदूरों ने देशमुख को पैसे नहीं दिए जिस पर 20 मजदूरों की मजदूरी रोक दी गयी। उस समय बाकी मजदूर थे। शिकायत की पहल करने के कारण देशमुख द्वारा 12 मजदूरों का बकाया अभी भी नहीं दिया गया है। मजदूरी का तुरंत भुगतान किया जाए और और पैसे मांगने के आरोप में व्यवस्थापक देशमुख को निलंबित किए जाने की मांग मजदूरों ने की है। मांग पूरी न होने पर चुनाव का बहिष्कार करेंगे और वन विकास महामंडल कार्यालय के सामने धरने पर बैठने की चेतावनी उन्होंने दी।

पात्र नागरिक शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित न रहेः पडोले

जिला विकास समन्वय व सनियंत्रण समिति की सभा में सांसद ने दिए निर्देश

गोंदिया-केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से चलाई जानेवाली जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से एक भी पात्र लाभार्थी वंचित न रहे। यह निर्देश सांसद डा. प्रशांत पडोले ने जिलाधिकारी कार्यालय के सभागृह में जिल्हा विकास समन्वय व सनियंत्रण समिति (दिशा) की 9 अक्टूबर को आयोजित सभा में उपस्थित अधिकारी व कर्मचारियों को दिए। सभा में जिलाधिकारी प्रजीत नायर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. मुरुगानंथम, पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, जिला परिषद अध्यक्ष पंकज रहांगडाले, पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़, जिला परिषद के सदस्य सहित सभी विभागों के प्रमुख उपस्थित थे। इस दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार हमी योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य गोजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहाय्यता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण जीवनोन्नति अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचन योजना, डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, श्यामाप्रसाद मुखर्जी रुरबन अभियान, राष्ट्रीय वारसा शहर विकास आणि संवर्धन योजना, अटल मिशन फॉर रिजुवनेशन एंड अर्बन ट्रान्सकमिशन, स्मार्ट सिटी अभियान, उज्वल डिस्कॉम गारंटी योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय आरोग्य अभियान, सर्व शिक्षा अभियान, एकात्मिक बाल विकास योजना मध्यान्ह भोजन योजना, प्रधान मंत्री उज्वला योजना, जल मार्ग विकास योजना, प्रधानमंत्री कौशल्य विकास योजना के विषय पर प्रस्तुतिकरण से जानकारी दी गई।

राकांपा की विस चुनाव को लेकर बैठक

तिरोड़ा - कवलेवाडा जिला परिषद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुंडीकोटा के सत्यसाईं बाबा सभागृह में राकांपा (अजित गुट) के कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन पूर्व विधायक राजेंद्र जैन की अध्यक्षता में किया गया. इस दौरान प्रमुख रुप से जिला अध्यक्ष प्रेमकुमार रहांगडाले उपस्थित थे. बैठक में पूर्व विधायक जैन ने कहा कि कुछ दिनों बाद आगामी विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, उससे पहले पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी हर उस गांव के पदाधिकारियों तक पहुंचें और जहां बूथ कमेटी की सूची तैयार नहीं हुई है, वहां बूथ कमेटी का गठन करें. पार्टी के विकास के लिए लोगों को संगठन से जोड़ने का काम किया जाए. सांसद प्रफुल्ल पटेल के माध्यम से इस क्षेत्र के विकास के लिए सदैव संकल्पित रहें. सांसद पटेल के निर्देश के अनुसार महायुति उम्मीदवार को साथ लेकर काम करना है. इस दौरान राजलक्ष्मी तुरकर, योगेंद्र भगत, देवचंद ठाकरे, कैलास पटले, मनोज डोंगरे, किरण पारधी, जगदीश बावनथडे, पिंटू चौधरी, अतुल भांडारकर, जया धावडे, नीता रहांगडाले, रामसागर धावडे, संभाजी ठाकरे, मनोहर राऊत, संदीप मेश्राम, किशोर पारधी, रंजीत मेश्राम, नंदकिशोर शरणागत, किरण बंसोड, बबन कुकडे, अल्केश मिश्रा, गणेश रहांगडाले, किरण वैद्य, प्रभा राऊत, राजेश तायवाडे, दहीकर, यासीन छवारे, अजय नंदागवली, रीता पटले, किशोर पारधी, राजेश पसेने, बंडू रहांगडाले, दिलीप भैरम, अजब भोयर, बापू कनासकर, अमूल राहुल, माया पटले, रतिराम पारधी, रामदास पारधी, देवन पारधी व रौनक ठाकुर समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित थे.

जाहिरनामा

विषयः- मुळकागदपत्रसादर करण्याबाबत जन्म व मृत्यु नोंदणी अधिनियम 1969 चेकलम 13 (3) अंतर्गत

उपरोक्त संदर्भिय विषयान्वये अर्जदार राजेंद्र इसराम कोरे रा. रा. बजाजवार्ड, पैकनटोली गोंदिया ता. जि.गोंदिया यांनी त्यांचे वडील नामे इसराम गोमाजी कोरे यांची मृत्यु मौजा नगर परिषद, गोंदिया ता.जि. गोंदिया येथ दि. 9/10/1995 रोजी झालेली असुन सदरमृत्युची नोंद नगर परिषद, गोंदिया ता.जि. गोंदिया याठिकाणी नोंदविण्यात आलेली नाही. सदरमृत्युची नोंदणी न झाल्याने अर्जदार यांना शासकियकामाकरीता अडचण निर्माण होत असून सदरहु मृत्युची नोंद नगर परिषद, गोंदिया येथे घेण्याकरीता आदेशमिळणेबाबत जन्म मृत्यु नोंदणी अधिनियम 1969 चेकलम 13 (3) अंतर्गत दि. रोजी या कार्यालयात अर्ज सादर केला आहे.

(विजया झाडे)
नायब तहसिलदार
उपविभागीय अधिकारी कार्यालय
गोंदिया

गोंदिया शहर में विराजमान मां दुर्गा की अप्रतीम प्रतीमाओं के दर्शन

सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति गांधी प्रतिमा गोंदिया

श्री साई दुर्गा उत्सव समिति मढ़ी चौक गोंदिया

एकता दुर्गा उत्सव समिति कस्तूर होटल के सामने रेलटोली गोंदिया

अखंड ज्योति कलश काली मंदिर रामनगर गोंदिया

श्री दुर्गा उत्सव समिति वल्लभभाई पटेल चौक गोंदिया

सार्वजनिक शारदा उत्सव समिति कुम्हार टोली मालवीय वार्ड गोंदिया

युवा दुर्गा उत्सव समिति वाजपेई चौक गोंदिया

मां संतोषी दुर्गा उत्सव मंडल लाला चौक गंज वार्ड गोंदिया

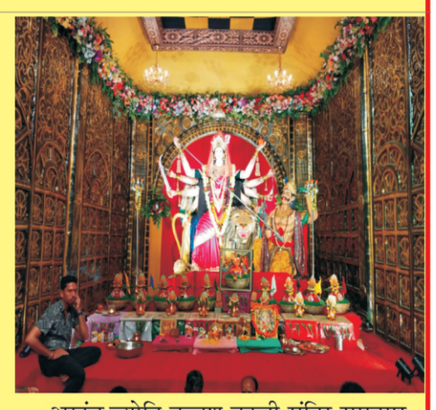

अखंड ज्योति कलश काली मंदिर रामनगर गोंदियाश्री मां दुर्गा उत्सव समिति दुर्गा चौक गणेश नगर गोंदिया

श्री बजरंग नगर नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति गोंदिया

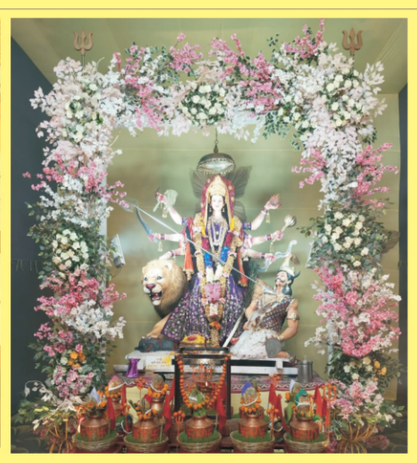

श्री नयागंज दुर्गा उत्सव समिति मनोहर भाई पटेल यार्ड गोंदिया

श्री मनोहर चौक शारदा उत्सव समिति गोंदिया

मां अंबाजी धाम ब्रह्मबाड़ी गोयल चौक गोंदिया

मां जगदंबा धाम दुर्गा चौक गोंदिया

सौ.वर्षाताई पटेल ने शहर में आयोजित रास गरबाओं में की माँ दुर्गाजी की आरती

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर में शारदीय नवरात्री के पावन पर्व पर विविध मंडलो व्दारा भव्य रास गरबा का आयोजन किया गया। इस दौरान नूतन स्कूल के प्रांगण में उत्सव समिति द्वारा रास-गरबा, जे एम स्कूल प्रांगण में होप फाउंडेशन द्वारा माँ गायत्री रास- गरबा, सुभाष स्कूल प्रांगण में श्री गुजराती नवरात्री उत्सव मंडल रास - गरबा, श्री मारवाड़ी युवक मंडल रास - गरबा में सौ.वर्षाताई पटेल के हस्ते माँ दुर्गाजी की आरती व नमन कर माँ शेरावाली के जयकारे लगायें एवं रास गरबा की ज्योत प्रज्वलीत की गई द्य नवरात्री के पावन पर्व पर जगत जननी माँ जगदंबा सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें, इस शुभकामनाओं के साथ नवरात्रि के पावन पर्व पर सभी माता के भक्तगणों को बधाई दी। इस अवसर पर सौ.वर्षाताई पटेल के साथ अजय वडेरा, महेश गोयल, नागेंद्रनाथ चौबे, माधुरी नासरे, रुचिता चौहान, संगीता माटे, रितेश अग्रवाल, रोहित दादरीवाल, पुष्पकभाई जसानी, प्रशांत वढेरा, चंद्रेश माधवानी, रवि मुंदड़ा, रश्मि खंडेलवाल, भावना खंडेलवाल, कल्पना भालोटिया, प्रमोद कोसरकर, लव माटे, राजेंद्र कावळे, राहुल यादव, योगेंद्र राहंगडाले, राकेश लांजेवार, दुर्गा कुसराम, राहुल बघेले, नयना सिंग सहीत बहुसंख्या में भाविक भक्त उपस्थित थे ।

मैं भाजपाई था भाजपाई हूँ और हमेशा रहूँगा, मेरे सिद्धांत समाज के सभी वर्ग की उन्नति - विधायक विनोद अग्रवाल

बुलंद गोंदिया। गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय विधायक विनोद अग्रवाल का 5 वर्षों पूर्व भाजपा से किया गया निलंबन 6 अक्टूबर को प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले द्वारा रद्द करने के पश्चात 7 अक्टूबर को आयोजित पत्र परिषद विनोद अग्रवाल ने कहा कि मैं भाजपाई था तथा भाजपा में हूं तथा हमेशा रहूंगा मेरे सिद्धांत समाज के सभी वर्ग की उन्नति है 5 वर्षों तक निरंतर भाजपा में अवसर वादियों के खिलाफ संघर्ष करता रहा निलंबन रद्द होने पर प्रदेश अध्यक्ष का आभार व्यक्त करता हूं।

आगे उन्होंने कहते हुए कहा कि निलंबन रद्द होने के पश्चात विरोधियों द्वारा संभ्रम की स्थिति निर्माण की जा रही है कि मैं भाजपा में प्रवेश कर रहा हूं पर मैं आज यह बताना चाहता हूं कि मैं कभी बीजेपी छोड़ ही नहीं था मैं भाजपा का था भाजपा का हूं और हमेशा रहूंगा। वर्ष 2019 विधानसभा चुनाव में कुछ अवसर वादियों द्वारा सत्ता का सुख लेने के लिए भाजपा में फूड डालने का कार्य किया था उसे समय पक्ष कार्यकर्ताओं को संभालने हमने संगठित होकर उसे बचाने का कार्य किया गया कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहकर कार्य किया जिससे सभी वर्ग समुदाय के आशीर्वाद से हम चुनाव जीते और जनता का जनप्रतिनिधित्व संभालने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मैं 1985 से 39 वर्षों से भाजपा में रहकर विभिन्न पदों में संगठन का कार्य करते हुए पक्ष को हमेशा आगे लाने का कार्य किया है। तथा जब अवसर वादियों द्वारा पक्ष में प्रवेश कर सत्ता सुख भोगने का सपना देखा देखा था किंतु चुनाव हारने के पश्चात उन्होंने पक्ष को पीछे ले जाने का कार्य किया है लेकिन आज वे भाजपा को छोड़कर अन्य पार्टी में चले गए हैं, पर हमने भाजपा से दूर रहकर भी दूसरे पक्ष में जाने का निर्णय नहीं लिया था हम कल भी वही थे आज भी वही है।

तथा अवसरवाद के खिलाफ हमारा संघर्ष निरंतर चलता रहा जिससे आज हमें सफलता मिली तथा हम उन्हें फिर अपनों के बीच है आज हमारा परिवार एक होकर विजय दिवस मना रहा है, हालांकि मेरे इस कदम से मेरे कुछ अपनों में नाराजगी होगी पर मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं अपने मूल सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करूंगा तथा मेरा संकल्प है कि मैं समाज के सभी वर्गों को समुदाय को अपने साथ लेकर चलूंगा।

आयोजित पत्र परिषद में विधायक विनोद अग्रवाल पूर्व मंत्री विधायक डॉ. परिणय फुके, भाजपा जिलाध्यक्ष एड. येसुलाल उपराडे, विधायक विजय रहांगडाले, संगठन मंत्री वीरेन्द्र (बाळाभाऊ) अंजनकर, पूर्व विधायक केशवराव मानकर, संजय पुराम, जिप अध्यक्ष पंकज रहांगडाले, पंस सभापति मुनेश रहांगडाले, कृउबास सभापति भाऊराव ऊके, छत्रपाल तुरकर, शिव शर्मा, चेतालिसिंह नागपुरे, सुनील केलनका, जिप सदस्य वैशालीताई पंधरे, आनंदा वाढीवा, दीपाताई चन्द्रिकापुरे, पंस सदस्य शैलजाताई सोनवाने, मनोज मेंढे, गजेंद्र फुंडे, अमित झा, जयंत शुक्ला, दीपक बोबडे, धर्मेश बेबी अग्रवाल, घनश्याम पानतवने, कशिश जायसवाल, दीपक कदम, अमित बिरिया, अनिल हुंदानी, कमलेश सोनवाने, अमित बुद्धे, सुजीत येवले, रामराज खरे, पृथ्वीसिंह नागपुरे, विवेक मिश्रा, ललित बिसेन, राजेश बिसेन, राजेश चतुर, नरेन्द्र तुरकर सहित सैकड़ो पदाधिकारीयों व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वन क्षेत्र में वनराई बांध का किया निर्माण

सड़क अर्जुनी-चिचगढ़ वन क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से सहायक उप वनसंरक्षक अविनाश मेश्राम, चिचगढ़ के वनपरिक्षेत्र अधिकारी प्रशांत वाडे के मार्गदर्शन में वन्यजीव सप्ताह मनाया गया. वन क्षेत्र में एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. जिसमें स्वच्छता अभियान, जन जागरूकता रैली, वन्यजीवों पर आधारित निबंध व चित्रकला स्पर्धा, बाइक रैली, वन भ्रमण, पिपरखारी बीट क्र. 2 कक्ष क्र. 644 में वन बांध का निर्माण श्रमदान के माध्यम से किया गया. वन क्षेत्र के अंतर्गत स्कूलों, ग्राम पंचायतों में जाकर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर वन क्षेत्र में कार्यरत वन अधिकारियों ने वन्यजीव सुरक्षा व संरक्षण पर व्याख्यान दिया. सफलतार्थ सहवन क्षेत्राधिकारी प्यारेलाल उसेंडी, विनोद राऊत, परशुराम जोशी, सुनील बारसे, सुधीर उके, शेषराव बारसे, निलेश पवार, सचिन बानमारे, धारणे, देशमुख, बागडे सतिश डोये, नितिन गावड़ व अन्य कर्मचारियों ने प्रयास किया.

पर्यटकों के लिए अच्छी खबर-नवेगांव-नागझिरा में 15 से जंगल सफारी

गोंदिया-नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प का प्रवेश द्वार 15 अक्टूबर से दोबारा खोला जाएगा और प्रकल्प में पर्यटकों का स्वागत किया जाएगा. जंगल सफारी के शौकीनों के लिए यह एक अच्छी खबर है. इसके लिए ऑनलाइन रिजर्वेशन शुरू कर दिया गया है. जो पर्यटक बाघ देखने के इच्छुक हैं, वे अभी से आरक्षण करा सकते हैं. संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत न्यू नागझिरा अभ्यारण्य चोरखमार प्रवेश द्वार नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प जिले के लिए एक वरदान रहा है. बाघों के निवास स्थान इस प्रकल्प में दूर-दूर से पर्यटक बाघों को देखने और जंगल सफारी का आनंद लेने आते हैं. इस वर्ष गर्मियों में बाघो ने बड़ी संख्या में पर्यटकों को दर्शन दिया. इसलिए इस प्रकल्प में अच्छी संख्या में पर्यटक बाघ के अलावा विभिन्न प्राणियों को देखने आए, लेकिन मानसून के दौरान यह प्रकल्प बंद रहने के कारण पर्यटकों को जंगल सफारी के आनंद से वंचित रहना पड़ा. अब मानसून सीजन अपने अंतिम चरण में है और महाराष्ट्र वन विभाग की आरक्षण प्रणाली के माध्यम से नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व की सफारी और अन्य गतिविधियों को शुरू करने के संबंध में वरिष्ठ कार्यालय से निर्देश प्राप्त हुए हैं. 15 अक्टूबर 2024 से 15 जून 2025 तक नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र सफारी को वेबसाइट ष्टह्वह्ल.द्दश1.द्बठ्ठ के माध्यम से ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से बुक किया जाएगा. इसके अलावा,

नवेगांव- नागझिरा टाइगर रिजर्व के वन संरक्षक और क्षेत्र निदेशक ने बताया कि यदि आरक्षण किसी अन्य वेबसाइट के माध्यम से किया जाता है तो भविष्य में किसी भी परेशानी के लिए कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।